2हस्तशिल्पियों की दयनीय स्थिति

2464. श्री ईश दत्त यादव :

चौधरी हरमोहन सिंह यादव :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को देश में हस्तशिल्पियों की दयनीय स्थिति की जानकारी है,

(ख) यदि हां, तो क्या उनकी दशा-सुधारने हेतु सरकार द्वारा कोई कार्य योजना बनाई गई है या बनाए जाने का विचार है,

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(घ) क्या सरकार देश में भारतीय संस्कृति से संबंधित हस्तशिल्प कला को बढ़ावा देने हेतु हस्तशिल्पियों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध करवाती है, और

(ड) यदि हां, तो गत तीन वर्षो के दौरान इस योजना से लाभान्वित हुए व्यक्तियों की संख्या कितनी है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा) : (क) से (ग) इस समय अन्य बातों के साथ-साथ कारीगरों की आर्थिक दशा का पता लगाने के उद्देश्य से उनकी जनगणना का कार्य चल रहा है । सरकार, कारीगरों की आर्थिक दशा में सुधार लाने और उनके कल्याण के लिए अनेक स्कीमें कार्यान्वित कर रही है । इन स्कीमों में-प्रशिक्षण डिजाइन एवं तकनीकी विकास, विपणन एवं विपणन विकास सहायता, प्रदर्शनी एंव प्रचार, शिल्प विकास केन्द्र /सामान्य सुविधा केन्द्र स्थापित करना, एम्पोरियम, पेंशन, वर्कशेड़-सह-हाउसिंग, समूह बीमा और अस्पताल में भर्ती सुविधा शामिल है ।

(घ) और (ड) जी नहीं, तथापि भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (सिडवी) और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) शिल्पकारों को रियाती ऋण सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं ।

इथकरमा निर्मित वस्त्रों का उत्पादन

2465. चौधरी हरमोहन सिंह यादव :

श्री ईश दत्त यादव :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षो के दौरान देश में राज्य-वार कितने हथकरघा वस्त्रों का उत्पादन किया गया,

(ख) उक्त अवधि के दौरान सरकार द्वारा हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने हेतु राज्य-वार कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई, और

(ग) देश के जनजातीय क्षेत्रो में हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा) : (क) हथकरघा विकेन्द्रीकृत प्रकार का उद्योग है तथा इस क्षेत्र में वस्त्रों के उत्पादन (राज्यवार) के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं । गत तीन वर्षो के दौरान हथकरघा वस्त्रों के उत्पादन की मात्रा नीचे दर्शायी गई है:-

वर्ष	कुल उत्पादन (मिलियन वर्ग मीटर में)
1995-96	7202
1996-97	7456
1997-98	7604

(ख) गत तीन वर्षो के दौरान (राज्यवार) सरकार द्वारा हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने हेतु प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा विवरण में संलग्न है । (नीचे देखिए)

(ग) जनजातीय क्षेत्रों सहित समग्र देश में हथकरघा उद्योग के लाभ के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित स्कीमें कार्यान्वित की जा रही हैं,

1.बाजार विकास सहायता स्कीम

2.निर्यात योग्य उत्पादों का विकास और उनके विपणन की स्कीम

3.राष्ट्रीय/मिनी हथकरघा एक्सपो

4.शिल्प मेले, जिला स्तर के मेले तथा त्यौहार

5.कार्यशाला-सह-आवास स्कीम

6.थ्रिफट फंड स्कीम

7.समूह बीमा स्कीम

8.स्वास्थ्य बीमा स्कीम

9.प्रोजेक्ट पैकेट स्कीम

10.अनुसंधान पैकेज स्कीम

11.स्वतंत्र डिजाइनर स्कीम

12.विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम

13.मिल गेट कीमत पर यार्न की आपूर्ति

विवरण

प्राप्त तीन वर्षो में विभिन्न योजनाओं के अतंर्गत जारी की गई राशि का ब्यौरा

(लाख रुपये में)

क्रम. सं.	राज्य	1995-96	1996-97	1997-98
1.	अरूणाचल प्रदेश	-	-	100.66
2.	आन्ध्र प्रदेश	2012.81	2973.67	1390.85
3.	असम	1294.34	1200.44	1287.75
4.	बिहार	613.86	91.72	93.80
5.	गुजरात	88.07	245.11	104.71
6.	हरियाणा	85.11	103.38	41.73
7.	हिमा. प्रदेश	143.37	145.55	115.92
8.	जम्मू व कश्मीर	204.79	122.94	371.30
9.	कर्नाटक	1233.80	1258.19	996.65
10.	केरल	896.47	422.21	842.47
11.	मध्य प्रदेश	652.56	297.12	626.10
12.	महाराष्ट्र	892.69	425.13	263.41
13.	मनिपुर	147.31	147.83	-
14.	मिजोरम	11.67	-	20.00
15.	नागालैंड	53.82	814.63	1239.94
16.	उड़ीसा	1490.42	738.83	456.45
17.	पांडिचेरी	21.44	21.18	1.76
18.	पंजाब	33.24	29.35	35.22
19.	राजस्थान	519.18	161.94	202.62
20.	तमिलनाडु	4675.31	3490.65	2731.72
21.	त्रिपुरा	218.34	110.09	63.42
22.	उत्तर प्रदेश	1441.82	453.89	759.60
23.	पश्चिमी बगांल	1930.76	543.94	688.85
24.	दिल्ली	64.45	103.82	123.24
25.	मेघालय	-	1.66	-
26.	सिक्किम	-	-	18.80

Demands of Garment Exporters

2466. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether the garment exporters have raised certain demands with Government for boosting their exports;

(b) if so, what are the main demands; and "

(c) what action has been teken or is proposed to be taken by Government?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) to (c) Proposals are received, from time to time, from garment exporters directly as well as through their industry Associations and the Apparel Export Promotion Council for boosting garment exports. Recognising the need to ensure domestic availability of international quality fabrics at competitive prices, as well as other related issues, the suggestions received pertain to easier availability of raw material and technology, fiscal incentives, simplification of procedures, market promotion, quota related issues, etc. Keeping in view the proposals, and the overall interests of the industry, Government has been taking steps from time to time to facilitate such exports, which include encouraging exporters to participate in buyer-seller meets, fairs and exhibitions, enabling import of capital goods at concessional duty for export production; special arrangements for duty free import of raw materials for export production; Promotion of Human Resource Development in the garment sector, etc.

Export of Indian Carpets'

2467. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that export of Indian carpets has been adversely affected by adverse campaign about the use of child labour in the industry;

(b) whether it is a fact that Carpet industry has been a household industry in which all members of a family including women and children participate; and

(c) if so, what action has been taken by Government to counter the propaganda?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) No, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) To counter the propaganda against the Indian carpet industry, the steps taken include: publicity campaign; appointment of lobbyist in USA by Carpet Export Promotion Council;